Syllabus and Course Scheme

Academic year 2022-23

BA – Sanskrit
Exam.-2023

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

प्रथम वर्ष संस्कृत – 2022

प्रथम प्रश्न पत्र– पद्य साहित्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व, व्याकरण एवं अलंकार

समय 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूर्णांक–100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा –

इकाई 1. रघुवंशम् 'द्वितीय सर्ग'
इकाई 2. कुमारसंभवम् 'पंचम सर्ग'
इकाई 3. भारतीय–संस्कृति के तत्त्व–पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, वर्ण एवं आश्रम व्यवस्था, षोड़श संस्कार, पंच महायज्ञ, त्रिविध ऋण, प्राचीन भारत के प्रमुख f" ाक्षा केन्द्र, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।
इकाई 4. व्याकरण – शब्दरूप, धातुरूप
इकाई 5. अलंकार

<u>विस्तृत पाठ्यक्रम्</u>

इकाई 4

शब्दरूप – राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्,
इदम्, अस्मद् तथा युष्मद्।

धातुरूप – (लट्, लोट्, लड्., विधिलिड्. तथा लृट्लकार में) पठ् ,पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दिव्, तन्, तुद्, चुर्, लभ् तथा सेव् धातु।

इकाई 5

अलंकार – काव्य–दीपिका (अष्टम शिखा)

(भेदोपभेद–रहित निम्नांकित अलंकार) : अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, मालोपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दीपक, तुल्ययोगिता, अपह्नुति, दृष्टान्त एवं समासोक्ति।

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

पथम इकाई रघुवंशम् से दो श्लोकों में से एक की सप्रसङ्ग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। चतुर्थ इकाई से पाँच शब्द रूप एवं धातु रूप, विशेष विभक्ति एवं पुरुष में पूछे जावेगें। पंचम् इकाई से चार में से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है। शेष इकाइयों से संबंधित सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड 'स'

प्र. सं. 12 का अंक–विभाजन निम्न प्रकार होगा –

1. प्रथम इकाई में रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) के 2 श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या । **10 अंक**
2. द्वितीय इकाई में कुमारसम्भवम् (पंचमसर्ग) के 2 श्लोंकों में से किसो एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या। **10 अंक**

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

सहायक ग्रंथ

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) – कालिदास – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
2. रघुवंशम् (मल्लिनाथ टीकासहित) – गोपाल रघुनाथ – मोतीलाल
3. रघुवंशम् महाकाव्यम – संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित डा. जगन्नारायण पाण्डेय
4. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)
5. कालिदास ग्रंथावली
6. संस्कृत–कवि–दर्शन – पं भोलाशंकर व्यास।
7. कालिदास परिशीलन – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी,
8. भारत की संस्कृति व साधना – डॉ. रामजी उपाध्याय।
9. भारतीय संस्कृति – प. शिवदत्त ज्ञानी।
10. भारतीय संस्कृति – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
11. भारतीय संस्कृति – डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
12. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
13. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ रामनारायण झा
14. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ यशवन्त कुमार जोभाो
15. प्राचीन भारतीय सस्कृति के तत्व – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी

द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक, कथा–साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समय 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूर्णांक–100

नोटः – प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दा में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दा में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा –

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत)
2. हितोपदेश (मित्रलाभ)
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)
4. लघु–सिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा एवं सन्धि प्रकरणम् – (2×2=4 + 3×2=6) = 10 अंक
5. लघु–सिद्धान्त कौमुदी – अजन्त प्रकरण – (2½×4=10) = 10 अंक
   (राम, हरि, लता, नदी, ज्ञान तथा वारि शब्दों की रूप सिद्धि)

विशेष निर्देश

खण्ड – ब

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम् के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग संस्कृत व्याख्या।
2. तृतीय इकाई में से प्रश्न संख्या 6 एवं 7 म पाँच पाँच हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करना है। प्रश्न सं. 6 तथा 7 में से 1 प्रश्न करना है।
3. इकाई चतुर्थ में संज्ञा प्रकरण पारिभाषिक शब्द, संज्ञा सूत्र और प्रत्याहार विकल्प सहित चार अंको की एवं संधि प्रकरण से 4 में से 2 शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूप सिद्धि 6 अंकों की पूछी जायेगी।
4. पंचम इकाई में अजन्त नामिक प्रकरण में 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की व्याख्या पूछी जायेगी।
5. द्वितीय इकाई से सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 12 का अंक विभाजन इस प्रकार से होगा।

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या। **10 अंक**
2. द्वितीय इकाई में हितापदेश (मित्रलाभ) में से दो पद्यों में से एक पद्य की तथा दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसङ्ग व्याख्या। 5+5 = **10 अंक**

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

सहायक ग्रन्थ

1. स्वप्नवासवदत्तम् – जयपाल विद्यालंकार
2. स्वप्नवासवदत्तम् – (संस्कृत हिन्दी व्याख्या) – जगन्नारायण पाण्डेय
3. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा
4. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोभाो
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – हिन्दी अनुवाद – रामेश्वर भट्ट
6. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. य" ावन्त कुमार जोभाो
7. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. सुभाष तनेजा वेदालंकार
8. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
9. नवनीत – संस्कृत शब्द – धातु रूपावली – राजाराम शास्त्री नाटेकर
10. वृहद्–अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर शर्मा, नौटियाल
11. संस्कृत में अनवाद कैसे करें – उमाकांत मिश्र
12. स्टूडेंट्स गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन – मूल लेखक – वी.एस. आप्टे
13. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. पुष्करदत्त शर्मा।
14. वृहद् रचनानुवाद कौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी
15. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या– पं0 भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
16. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. नेमीचन्द शास्त्री
17. संस्कृत वाक्य विवेक – डॉ. हिन्द केसरी, अजमेरा बुक कम्पनी, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।

द्वितीय वर्ष संस्कृत – 2022

प्रथम प्रश्न पत्र – नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण

समय 3 घंटे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूर्णांक –100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगे। प्रत्येक इकाई में से एक पश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (एक स चार अंक)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (पांच से सात अंक)
3. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त समस्त छंद)
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास
5. व्याकरण – कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

प्रथम इकाई – अभिज्ञानशाकुन्तलम् स किन्हीं दो श्लोको में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या करनी।

द्वितीय इकाई – अभिज्ञानशाकुन्तलम् से किन्हीं चार सूक्तियों में से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी।

तृतीय इकाई के अंतर्गत दो छन्द, विकल्प, सहित पूछे जायेंगे। छन्दों का लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देना अनिवार्य है। छन्दों के उदाहरण अभिज्ञान शाकुन्तलम् के ही मान्य होंगे।

चतुर्थ इकाई से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न

पंचम इकाई से किन्हीं दो पदों की (विकल्प सहित) सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि पूछी जायेगी।

खण्ड 'स'

1. प्रथम इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम चार अंक) में से दो श्लोक मे से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या। **10 अंक**
2. द्वितीय इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (शेष भाग) के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या। **10 अंक**
3. प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' की प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में निर्माण के समय यथासंभव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है।

विस्तृत पाठ्यक्रम

इकाई 4

संस्कृत साहित्य का इतिहासः– वीर काव्य, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटक–साहित्य, कथा–साहित्य, राजस्थान का संस्कृत साहित्य (वि" ोष अध्ययन– भट्ट मथुरानाथ भाास्त्री, पं. गिरिधर भार्मा नवरत्न, पं. श्रीराम दवे, पं. गणे" ाराम भार्मा, सूर्यनारायण भाास्त्री, पद्म भाास्त्री)

इकाई 5

कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण– तव्य, तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, घञ्, ल्युट्, क्त्वा, ल्यप्। **निम्नांकित सूत्र**– धातोः, कृत्याः, कर्तरि कृत्, तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः, तव्यत्तव्यानीयरः, अचो यत्, इद्यति, पोरदुपधात्, एतिस्तुशास्वृदृजुषःक्यप्, ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्, शास इदङहलोः मृजेर्विभाषा, ऋहलोर्ण्यत्, चजोः कुघिण्यतोः, ण्वुलतृचौ, युवोरनाकौ, क्तक्तवतु निष्ठा, रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च द, लृटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे, आने मुक्, तुमुनण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्, कालसमयवेलासु तुमुन्, नपुंसके भावे क्त, ल्युट् च, अलं खल्वोः प्रतिषेधयोः प्राचां क्त्वा, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, समासेऽनञ्पूर्वे क्त्वा ल्यप्।

सहायक पुस्तकें –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डा. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् व्याख्या – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डा. रमाशंकर त्रिपाठी
4. कालिदास और उनकी काव्य कला – वागीश्वर विद्यालंकार
5. कालिदास – डॉ. रमा शंकर तिवारी
6. कालिदास – चन्दबली पाण्डे
7. कालिदास – वी. वी. मिराशी
8. छन्दः प्रकाश – पं. शिवदत्त मिश्र
9. छन्दः प्रवेशिका – (प्रभा हिन्दोटीकोपेता) नई दिल्ली।
10. छन्दोमंजरी – सं. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला।
12. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय।

13. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ.विश्वनाथ शर्मा।
15. राजस्थानीयमभिनवसंस्कृतसाहित्यम् (खण्ड 1–5) – सं. डॉ. गंगाधर भट्ट
16. राजस्थानस्याधुनिकाः संस्कृतकथालेखकाः – डॉ. पुष्कर दत्त शर्मा
17. राजस्थान के कवि – पं. पुरूषोत्तम शर्मा
18. जयपुर संस्कृत काव्य परम्परा – देवर्षि पं. कलानाथ शास्त्री
19. नवोन्मेषः – डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी
20. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधा वल्लभ त्रिपाठी

द्वितीय प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य, गद्यसाहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समयः 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूणाक 100 अंक

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक पश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त)
2. वैदिक साहित्य (ईशावास्योपनिषद्)
3. गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. समास प्रकरण, लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)
5. व्याकरण– अनुवाद एवं कारक प्रकरण

अंक विभाजन

1. वैदिक साहित्य **30 अंक**

ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त

1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3. विष्णु (1.154) 4. इन्द्र (2.12)

5. विश्वदेवा (8.58) 6. पुरूष (10.90) 7. संज्ञान (10.191)

1. ऋग्वेद के दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या **10 अंक**

2. ऋग्वेद के निर्धारित किसी एक सूक्त का संस्कृत में सार **10 अंक**

ईशावास्योपनिषद् स दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या **10 अंक**

2. गद्य साहित्य – शुकनासोपदेश **20 अंक**

अ. शुकनासोपदेश स दो गद्यांशों को हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या **10 अंक**

ब. शुकनासोपदेश के निर्धारित अंश से सामान्य प्रश्न **10 अंक**

3. (अ) समास प्रकरण में से निर्धारित सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या। **6 अंक**

1. सह सुपा 2. अव्ययं विभक्तिसमीपसमृद्धिव्यृद्ध्यर्थाभावात्ययासम्पतिशब्दप्रादुर्भावपश्चाद्यथानुपूर्व्य यौगपद्यसादृश्यसंपत्तिसाकल्यान्तवचनेषु 3. नदीभिश्च 4. द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्त–पाप्तापन्नैः 5. तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन 6. चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः 7. पंचमी भयेन 8. स्तोकान्तिकदूरार्थकृच्छाणि क्तन 9. षष्ठी 10. सप्तमी शौण्डैः 11. तत्पुरूषः समानाधिकरणः कर्मधारयः 12. संख्यापूर्वो द्विगुः 13. द्विगुरेकवचनम 14. स नपुंसकम् 15. विशेषणं विशेष्येण बहुलम 16. उपमानानि सामान्यवचनैः 17. नञ 18. अनेकमन्यपदार्थे 19. चाऽर्थे द्वन्द्वः 20. पितामात्रा

समस्त प्रकरण में से दो समस्त पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक रूपसिद्धि **4 अंक**

(ब) लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण) – 1. लिह् 2. विश्ववाह् 3. चतुर् (तीनों लिंगो में)

4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. पञ्चन 7. अष्टन् 8. युष्मद् 9. अस्मद् 10. विद्वस्।

1. चार सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या **5 अंक**

2. सूत्रोल्लेखपूर्वक पाँच पदों की रूप सिद्धि **10 अंक**

4. (अ) अनुवाद– संस्कृत के 10 अपठित वाक्यो का हिन्दी में अनुवाद **10 अंक**

(ब) कारक प्रकरण में निम्नलिखित सूत्र पठनीय है–

1. प्रातिपदिकार्थलिङ्.गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा 2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म 3. कर्मणि द्वितीया 4. तथायुक्तं चानीप्सितम 5. अकथितं च 6. अधिशीङ्.स्थासां कर्म 7. उपान्वध्याङ्.वसः 8. अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि 9. अन्तरान्तरेण युक्ते 10. कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे 11. साधकतमं करणम् 12.कर्तृकरणयोस्तृतीया 13. अपवर्गे तृतोया 14. सहयुक्तेऽप्रधाने च 15.येनाङ्गविकारः 16.इत्थंभूतलक्षणे 17. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् 18. चतुर्थी सम्प्रदाने 19.रुच्यर्थानां प्रीयमाणः 20. धारेरुत्तमर्णः 21. स्पृहेरीप्सितः 22. क्रुध्द्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः 23. नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च 24. ध्रुवमपायेऽपादानम् 25.अपादाने पचमी 26. जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम् 27. भीत्रार्थानां भयहेतुः 28. पराजेरसोढ़ः 29. वारणार्थानामीप्सितः 30. आख्यातोपयोगे 31. भुवः प्रभवः 32. पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम् 33. दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च 34. षष्ठो शेषे 35. षष्ठी हेतुप्रयोगे 36. चतुर्थी चाशिष्यायुष्यमद्रभद्रकुशलसुखार्थहितैः 37. आधारोऽधिकरणम् 38. सप्तम्यधिकरणे च 39. यस्य च

भावेन भावलक्षणम् 40. यतश्च निर्धारणम् 41. पंचमी विभक्ते 42. साधुनिपुणाभ्यामर्चायां सप्तम्यप्रतेः

(क) उपर्युक्त में से तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या **9 अंक**

(ख) वाक्यों में रेखाकिंत तीन पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन **6 अंक**

सहायक पुस्तके –

1. वेदचयनम्– पं. विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी
2. द न्यू वैदिक सलेक्शन्स – एस के तेलतन व बी.बी. चौबे
3. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चानना
4. ऋक् सूक्त संग्रह – डॉ. हरि दत्त शास्त्री
5. वैदिक सूक्त मुक्तावली –डा. सुधीर कुमार गुप्त एवं डॉ. युगल किशोर मिश्र
6. वैदिक साहित्य व संस्कृति – पं. बलदेव उपाध्याय
7. ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
8. ईशावास्योपनिषद् – तारिणीश झा
9. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. सुभाष वेदालड्कार एवं श्री शास्त्री
10. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. रामपाल शास्त्री (सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्या)
11. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – श्रीमती सुदेश नारंग
12. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. यशवंत कुमार जोभाो
13. संस्कृत में अनुवाद कैसे करे – उमाकान्त मिश्र
14. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
15. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री
16. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री
17. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री मोहन वल्लभ पन्त
18. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री अर्कनाथ चौधरी

तृतीय वर्ष संस्कृत – 2022

प्रथम प्रश्न पत्र – भारतीय धर्म एवं दर्शन

समय 3 घंटे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूर्णांक –100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक पश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

वि"ोशः– प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14, 15 के निर्माण के समय, भारतीय दर्शन के सिद्वान्त, श्रीमद्भगवद् गीता और मनुस्मृति में से प्रत्येक पर एक–एक प्रश्न का निर्माण करे।

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच ईकाइयों में विभाजित होगा –

1. तर्क संग्रह – अन्नं भट्ट
2. श्रीमद्भगवदगीता (द्वितीय अध्याय)
3. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)
4. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)
5. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त

भारतीय दर्शन के निम्नलिखित बिन्दुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाऐंगे।

(अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएँ
(ब) सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद
(स) योग दर्शन का ईश्वरवाद
(द) अद्वैत वेदान्त का मायावाद
(य) न्याय वैशेषिक में मोक्ष का स्वरूप
(र) वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद
(ल) पूर्वमींमांसा में धर्मस्वरूप
(व) चार्वाक की प्रमाण मीमांसा
(ह) बौद्ध दर्शन का शून्यवाद
(च) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद

खण्ड–(ब)

इकाई–1 तर्कसंग्रह के दो खण्डों में से एक की संस्कृत व्याख्या।
इकाई–2 गीता के दो श्लोको में से एक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या।
इकाई–3 सुन्दरकाण्ड (अध्याय 15) दो श्लोको में से एक की हिन्दी में व्याख्या।
इकाई–4 मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) दो श्लोको में से एक की हिन्दी में व्याख्या।
इकाई–4 भारतीय द" ान से सम्बन्धित दो सामान्य प्र" नों में से एक का उत्तर।

खण्ड (स)

प्रश्न संख्या 12 का विभाजन इस प्रकार होगा–

(अ) तर्क संग्रह में से ही 2 में से 1 की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या

(ब) गीता (द्वितीय अध्याय) में से दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या

छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तके –

1. तर्क संग्रह– आचार्य भाषराज " ार्मा
2. तर्क संग्रह– डॉ. चन्द्र भाखर द्विवेदी
3. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. विश्वनाथ भार्मा
4. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
5. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
6. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. राकेभा भाास्त्री
7. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)–प्रो. श्यामलाल भार्मा
8. रामायण–सन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)– डॉ. इन्द्रारानी गुप्ता
9. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)– डॉ. हिमा गुप्ता
10. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)– डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
11. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)– डॉ. प्रभाकर भाास्त्री
12. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)– डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
13. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त– डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
14. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त– डॉ. बलदेव उपाध्याय
15. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त– डॉ. रामप्रकाय सारस्वत

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्य, गद्य, व्याकरण एवं निबन्ध

समय 3 घंटे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूर्णांक –100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक पश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

वि"ोशः– प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14, 15 के निर्माण के समय किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), विश्रुतचरितम् एवं नीतिशतकम् में से प्रत्येक पर एक–एक प्रश्न का निर्माण करे।

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – महाकाव्य – किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय – गद्यकाव्य – विश्रुतचरितम्
3. इकाई तृतीय – नीतिकाव्य – नीतिशतकम्
4. इकाई चतुर्थ – व्याकरण – (तिङन्त एवं वाच्यपरिवर्तन)
5. इकाई पंचम – निबन्ध

निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम– किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग) से दो श्लोको में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या।
इकाई द्वितीय– विश्रुतचरितम् से दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या ।
इकाई तृतीय– नीतिशतकम् से दो श्लोकों में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या ।
इकाई चतुर्थ– 10 वाक्यों में से पॉच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन ।
इकाई पंचम– संस्कृत निबन्ध रचना (जिनके विषय निम्न प्रकार है)
कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीय–संस्कृतः, संस्कृत–भाषायाः महत्त्व, परोपकारः, सत्संगतिः, परिश्रमः विद्यायाः महत्वम्, स्त्री–शिक्षा, पर्यावरणस्य महत्वम, पर्यावरणप्रदूषण समस्या समाधानं च, राष्ट्रनिर्माणे यूना योगदानम्, अभिनवजनसंचा

खण्ड 'स'

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। लघु सिद्वान्त कौमुदी–तिङन्त पकरण
(भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुञ, तुद्, रुध्, तन्, डुकृञ एवं चुर् धातुओं की लट्, लृट्, लोट्, लङ् और विधिलिङ लकारों में रूप सिद्वि)
(अ) निर्धारित धातुओं के निर्धारित लकारों मे से चार धातु रूपों की रूप सिद्वि
अंक–10 (4×2.5)
(ब) पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रा में से चार सूत्रों की व्याख्या **अंक–10** (4×2.5)
छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तके –

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डा.विश्वनाथ शर्मा
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. राके" ा भाास्त्री
4. विश्रुतचरितम – डॉ. विश्वनाथ भार्मा
5. नीतिशतकम् – डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
6. नीतिशतकम् – डॉ. राकेश " ाास्त्री
7. नीतिशतकम् – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. पुष्कर दत्त भार्मा
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
10. संस्कृत निबंध कलिका – प्रो. रामजी उपाध्याय
11. निबंध चतकम् – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
12. संस्कृत निबंध निकुंज – डॉ. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी

प्रथम वर्ष

ज्योतिष एवं वास्तु

प्रथम प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. खगोल संरचना

50

1. सौर जगत एवं ग्रहों के खगोलीय परिवेश
2. राशिचक्र या भचक्र, राशिचक्र विभाग विश्लेषण
3. नक्षत्र, राशि सम्बन्ध विचार विमर्श
4. अक्षांश एवं देशांतर, अयन–गोल परिशीलन, सायन–निरयन विमर्श, पलभा ज्ञान
5. क्रांतिवृत्त, विषुववृत्त
6. क्रांति, सम्पातबिन्दु, अयनांश

ख. पंचांग परिचय

50

1. समय की माप
2. नक्षत्र मान, सौर मान, सावन मान, चान्द्र मान, बार्हस्पत्य मान, सम्वत्सर
3. ऋतुऐं
4. मास और पक्ष (सौर–चान्द्र–बंगला–मुस्लिम व अंग्रेजी मास) संक्रांति, अधिक व क्षय मास
5. तिथि, तिथि क्षय व वृद्धि
6. वार
7. नक्षत्र, नक्षत्र मान, गण्डांत नक्षत्र व प्रयोजन
8. योग (विष्कुंभादि–आनंदादि योग)
9. करण, भद्रा (विष्टि करण) का विशेष विवरण
10. पंचक

द्वितीय प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. जन्माक्षर निर्माण

40

1. मानक–स्थानीय–ग्रीनविच आदि समय, समय क्षेत्र व समय रूपान्तरण
2. सम्पात काल व उसकी उपयोगिता
3. सूर्योदय व सूर्यास्त, दिनमान व रात्रिमान, इष्टकाल
4. लग्न साधन (आधुनिक व परम्परागत दोनों विधि से)
5. दशम भाव साधन, ससंधि द्वादश साधन व चलित कुण्डली विधान व प्रयोजन
6. भयात–भभोग साधन, चन्द्र साधन
7. ग्रह स्पष्ट साधन व कुण्डली में ग्रह स्थापन
8. षडवर्ग बनाना
9. जन्माक्षर लेखन विधि व जन्मपत्री के विविध रूपों का परिचय

ख. दशा साधन 30

1. भयात–भभोग द्वारा विंशोतरी दशा साधन
2. चन्द्र स्पष्ट द्वारा विंशोतरी दशा, अंतर्दशा व प्रत्यंतर दशा साधन
3. योगिनी दशा व अंतदर्शा साधन
4. अन्य दशाओं का सामान्य परिचय

ग. विदेश की कुण्डली निर्माण

30

1. उत्तरी गोलार्ध व दक्षिणी गोलार्ध की कुण्डलियाँ निर्माण
2. उत्तरी गोलार्ध व दक्षिणी गोलार्ध के ग्रह स्पष्ट साधन
3. विदेश के सूर्योदय व सूर्यास्त साधन, ग्रीष्मकाल ज्ञान

———————————————————————————————————————

संदर्भ पुस्तकें : सचित्र ज्योतिष शिक्षा – प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड, भारतीय कुन्डली विज्ञान।

द्वितीय वर्ष
ज्यातिष एवं वास्तु
प्रथम प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. कुण्डली विचार

20

1. द्वादश भावों की संज्ञा व भावों के नाम और उनसे विचारणीय विषय
2. भाव व राशि में भेद
3. भावों के कारक ग्रह

ख. फलित विचार

30

1. राशियों के स्वरूप, कारकत्व, प्रकृति, गुणधर्म एवं विचारणीय विषय
2. ग्रहों की प्रकृति, स्वरूप, कारकत्व, गुणधर्म एवं विचारणीय विषय
3. ग्रहों की दृष्टि, उच्च–नीच–मूल त्रिकोणादि विचार
4. ग्रहों की नैसर्गिक, तात्कालिक व पंचधा मैत्री

ग. कुण्डली फलित

50

1. द्वादश लग्न फल
2. ग्रहों के राशि व भाव फल, भावेश फल, ग्रहों का युति फल
3. बालारिष्ट व बालारिष्ट परिहार

आयु विचार

द्वितीय प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. ग्रह एवं भाव बल साधन
30

ख. लघु पाराशरी अध्ययन
40

1. संज्ञाध्याय
2. योगाध्याय
3. मारकाध्याय
4. दशालाध्याय
5. मिश्रकाध्याय

ग. विविध योग 30

1. नाभस योग
2. पंच महापुरूष योग
3. अन्य विविध योग

संदर्भ पुस्तकें :लघु जातकम्, सुगम ज्योतिष पवेशिका, सचित्र ज्योतिष शिक्षा – प्रारंभिक ज्ञान खण्ड एवं फलित खण्ड द्वितीय भाग, षडबल रहस्य – ले. कृष्णकुमार, लघु पाराशरी सिद्धांत – ले. मेजर एस.जी. खोत

तृतीय वर्ष
ज्योतिष एवं वास्तु
प्रथम प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. वास्तु प्रकरण 100

1. वास्तु परिभाषा, वास्तु स्वरूप परिचय
2. भूमि का महत्व, परीक्षण एवं भूखण्डों का परिचय
3. विविध कक्षों के निर्माण की दिशा, विविध व्यक्तियों हेतु गृहों का परिमाप, वीथी व विन्यास
4. वास्तु चक्र का ज्ञान, वास्तु पुरूष के मर्म स्थानों का ज्ञान
5. 32 दरवाजों के नाम वफल, द्वारवेध व उपद्रव फल

6. व्यवसायिक वास्तु, बहुमंजिला वास्तु
7. वास्तु दोषों का परिचय एवं परिहार
8. आयादि षडवर्ग का प्रायोगिक ज्ञान, भवन की आयु का ज्ञान
9. मुहूर्त चिंतामणी का वास्तु प्रकरण एवं गृह प्रवेश प्रकरण

द्वितीय पशन पत्र पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. मुहूर्त 50

1. नक्षत्रों के स्वामी व उनकी संज्ञायें तथा उनमें किये जाने वाले कार्य
2. यात्रा मुहूर्त
3. विवाह मुहूर्त, मांगलिक दोष विचार व परिहार, अष्टकूट मेलापक
4. क्रय विक्रय मुहूर्त, औषधि सेवन मुहूर्त, देव प्रतिष्ठा मुहूत, ऋण लेन–देन मुहूर्त
5. अन्य उपयोगी मुहूर्त (संस्कार जन्य, नौकरी जोइन आदि)

ख. प्रश्न विचार 50

1. प्रथम – द्वितीय – तृतीयादि प्रश्नों की समाधान विधि
2. कार्यसिद्धि प्रश्न, प्रवासी प्रश्न, विवाह प्रश्न, नौकरी व व्यवसाय प्रश्न, संतान प्रश्न
3. जय पराजय प्रश्न, रोगी विषयक प्रश्न, नष्ट वस्तु प्राप्ति प्रश्न

———————————————————————————————————————

संदर्भ पुस्तकें :वास्तु रत्नाकर, वास्तु माला, भवन भास्कर, मुहूर्त चिंतामणि, षटपंचाषिका, प्रश्न मार्ग